



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 417]

नई दिल्ली, सोमवार, जुलाई 20, 2009/आषाढ़ 29, 1931

No. 417]

NEW DELHI, MONDAY, JULY 20, 2009/ASADHA 29, 1931

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

(खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 20 जुलाई, 2009

सा.क्रा.नि. 536(अ).—केन्द्रीय सरकार, चीनी विकास निधि नियम, 1983 के नियम 17-क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित स्कीम बनाती हैं, अर्थात् :—

1. (1) संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—इस स्कीम का संक्षिप्त नाम अल्पकालिक गन्ना विकास ऋण स्कीम है।
(2) यह राजपत्र में इसके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगा।

2. (1) कोई चीनी कारखाना ऋण के लिए पात्र होगा, यदि वह निम्नलिखित सारणी में विनिर्दिष्ट शर्तों को पूरा करता है, अर्थात् :—

सारणी

| क्रम सं० | वर्ष 2006-07, 2007-08 और 2008-09 के दौरान औसत पेराई (टन प्रतिदिन) | ऋण की रकम (लाख रुपए में) |
|----------|---|--------------------------|
| 1. | 2500 या कम | 100 |
| 2. | 2501-3500 | 150 |
| 3. | 3501-5000 | 200 |
| 4. | 5000 से अधिक | 250 |

- (2) उप पैरा (1) के प्रयोजन के लिए, चीनी कारखाना प्ररूप आर टी 8 ग की प्रति प्रस्तुत करेगा।

3. स्कीम के अधीन ऋण के आवेदन चीनी कारखाने द्वारा प्ररूप 'ख' में केन्द्रीय सरकार को प्रस्तुत किए जाएंगे और उसके साथ अपेक्षित दस्तावेज संलग्न किए जाएंगे तथा सहकारी सेक्टर में चीनी कारखानों की दशा में राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम के माध्यम और प्राइवेट कारखानों की दशा में भारतीय औद्योगिक वित्त निगम के माध्यम से ऋण के लिए प्रतिभूति दी जाएगी।
4. यथास्थिति, राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम या भारतीय औद्योगिक वित्त निगम, चीनी कारखाने से आवेदन की प्राप्ति के सात दिन के भीतर, आवेदनों, दस्तावेजों और प्रतिभूति की जांच-पड़ताल करने के पश्चात् उन्हें अपनी सिफारिशों के साथ खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग को अग्रेषित करेंगे।
5. आवेदन प्राप्त होने पर खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग उसका परीक्षण करेगा और चीनी कारखाने के ऋण के भुगतान को प्राधिकृत करेगा।
6. केवल वही चीनी कारखाने इस स्कीम के अधीन ऋण के लिए आवेदन करने के पात्र होंगे जिनका आवेदन करते समय शुद्ध मूल्य सकारात्मक होगा।
7. केन्द्रीय सरकार द्वारा विनिश्चित ऐसे निबन्धनों और शर्तों पर, जिसके अंतर्गत केन्द्रीय सरकार द्वारा इसके लिए प्राधिकृत किसी अधिकरण द्वारा ऋण की मानीटरिंग के लिए उपबंध भी है, के किसी करार के निष्पादन के पश्चात् चीनी कारखाने को सीधे ऋण का संवितरण होगा।
8. चीनी कारखाने द्वारा तैयार की गई स्कीम के अधीन उसके आरक्षित या कमान क्षेत्र में गन्ना उत्पादकों को ऋण नकद या वस्तु के रूप में, अंतरित किया जाएगा, जिसके ब्याज की दर केन्द्रीय सरकार द्वारा चीनी विकास निधि पर प्रभाय ब्याज की दर से अधिक नहीं होगी।
9. ऋण संवितरण के पैंतालीस दिन के भीतर गन्ना उत्पादकों को ऋण का कम से कम पचास प्रतिशत अंतरित कर दिया जाएगा और शेष आगे 45 दिन की अवधि के भीतर अंतरित कर दिया जाएगा, चीनी कारखाने के असफल रहने पर उक्त अवधि के पश्चात् विलम्ब की अवधि के लिए अतिशेष रकम पर छह प्रतिशत का दंडात्मक ब्याज लगेगा।
10. चीनी कारखाने के पास 31 मार्च, 2010 को शेष किसी रकम को ब्याज के साथ और 31 मार्च, 2010 के परे के अवधि के लिए 6 प्रतिशत वार्षिक के शास्तिक ब्याज के साथ केन्द्रीय सरकार को पुनःरुद्धत करेगा।

- 11.(1) चीनी कारखाना या तो बैंक गारंटी देगा अथवा पारीपासू आधार पर अपनी आस्तियों पर प्रथम भार देंगे, ऐसा करने में असफल रहने की दशा में अन्तिम तुलन पत्र की तारीख को विद्यमान चीनी कारखाने की नियत आस्तियों पर अनुपात पर निर्भर करते हुए ऋण के लिए प्रतिभूति के रूप में अपनी आस्तियों पर द्वितीय अनन्य प्रभार देगा।
- (2) द्वितीय अनन्य प्रभार केवल तभी अनुज्ञेय होगा जब नियत आस्तियों का अनुपात 1.5 या अधिक हो, प्रथम पारीपासू प्रभार उन कारखानों से स्वीकार्य होगा जिनका स्थिर आस्तियों का अनुपात 1.33 या उससे अधिक हो और यदि स्थिर आस्तियों का अनुपात 1.33 से कम हो तो संबंधित चीनी कारखाने बैंक गारंटी देंगे।
- (3) स्थिर आस्तियों का अनुपात की सीमाओं के अधीन, कोई चीनी कारखाना, यदि वह चाहता हो तो उसे उसकी आस्तियों पर प्रभार के रूप में प्रतिभूति प्रस्तुत करने के प्रति ऋण लेने के समय दी गई बैंक गारंटी को वापस लेने को अनुज्ञात किया जाए।
12. यह स्कीम 31 दिसम्बर, 2009 तक निधियों से संवितरण के लिए विधिमान्य है और ऋण के सभी आवेदन 30 नवम्बर, 2009 को या उससे पहले प्रस्तुत किए जाने चाहिए।
13. केन्द्रीय सरकार चीनी कारखाने द्वारा ऋण के उचित उपयोग की मानीटरिंग करने और ऋण की शर्तों और निबन्धनों का अनुपालन करने के लिए किसी अभिकरण को नियुक्त करेगी और इसमें नियत शर्तों से किसी प्रकार का विचलन या अपयोजन होने पर शास्तिक ब्याज के साथ ऋण वापस लिया जाएगा और ऐसे चीनी कारखाने को चीनी विकास निधि से आगे ऋण लेने से वंचित किया जा सकेगा।
14. चीनी कारखाना संवितरण के छः माह के भीतर साधारण वित्तीय नियम, 2005 के प्ररूप 19-ख में उपयोग प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करेगा।
15. चीनी विकास निधि के ऋण से जुड़ी अन्य शर्तें जिनका ऊपर विनिर्दिष्ट रूप से उल्लेख नहीं किया गया है वे यथा-परिवर्तित रूप में लागू होंगी।

[फा. सं. 1-5/2009-एसडीएफ]

एन. सान्याल, संयुक्त सचिव

उपाबंध**प्रत्येक-क**

(गन्ना विकास के लिए बीज, उर्वरक और नाशक जीवमारों को क़य के लिए अल्पकालिक ऋण के लिए आवेदन -
नियम 17-क)

1. आवेदक का नाम, संयंत्र कोड, संक्षिप्त नाम और पता
2. चीनी मौसम 2006-07, 2007-08 और 2008-09 चीनी मौसम के दौरान प्रत्येक वर्ष में दिनों की संख्या सहित वास्तविक पेराई (3 वर्षों के लिए प्रत्येक आरटी 8-सी की प्रति संलग्न करें)
3. चीनी कारखाने के लिए उपलब्ध गन्ना क्षेत्र
4. वह मद, जिसके लिए ऋण के लिए आवेदन किया गया है (कृपया मदवार लक्ष्य, मात्रा और आदान की लागत तथा कवर क्षेत्र बताएं) तथा कुल अनुमानित खर्च
5. क्या चीनी विकास निधि/लेवी चीनी मूल्य समकरण निधि के खाते पर कोई बकाया शेष है।
6. चीनी कारखाने की निवल कीमत (पिछले वर्ष के लिए लाभ और हानि का विवरण, जिसके लिए संचयी हानि, यदि कोई हो, के साथ तुलनपत्र को अंतिम रूप दिया गया है)।
7. चीनी कारखाने का निर्धारित परिसंपत्ति कवरेज अनुपात (तुलनपत्र संलग्न किया जाए)
8. चीनी विकास निधि से ऋण के लिए दी जाने वाली प्रस्तावित प्रतिभूति (कृपया प्रति संलग्न करें)
9. आवेदन किए गए ऋण की रकम

अधिग्राही/उधारकर्ता के हस्ताक्षर
और चीनी कारखाने की मुहर

MINISTRY OF CONSUMER AFFAIRS, FOOD AND PUBLIC DISTRIBUTION
(Department of Food and Public Distribution)

NOTIFICATION

New Delhi, the 20th July, 2009

G.S.R. 536(E).— In pursuance of rule 17-A of the Sugar Development Fund Rules, 1983, the Central Government hereby makes the following Scheme, namely:-

1. Short title and commencement.- (1) This Scheme may be called the Short Term Cane Development Loan Scheme.
(2) It shall come into force from the date of its publication in the Official Gazette.
2. (1) A sugar factory shall be eligible for loan, if it fulfils the conditions, specified in the following table, namely:-

TABLE

| Sl.No. | Average crushing during the years (Tonnes per day) 2006-07, 2007-08 and 2008-09: | Amount of loan (Rs. in lakh) |
|--------|--|------------------------------|
| 1. | 2500 or less | 100 |
| 2. | 2501 -3500 | 150 |
| 3. | 3501-5000 | 200 |
| 4. | Above 5000 | 250 |

(2) For the purposes of sub paragraph (1), the sugar factory shall submit a copy of Form RT-8 C.

3. For the loan under the Scheme the sugar factory shall submit its application to the Central Government in Form 'B' annexed hereto, along with the requisite documents and security for the loan through the National Cooperative Development Corporation in case of sugar factories in the cooperative sector and through the Industrial Finance Corporation of India in case of private sugar factories.
4. The National Cooperative Development Corporation or Industrial Finance Corporation of India, as the case may be, after scrutiny of the applications,

2651 GIL 09-2

documents and security, forward the same with its recommendation to Department of Food and Public Distribution within seven days of receipt of application by the sugar factory.

5. On receipt of the application, the Department of Food and Public Distribution shall examine the same and authorize payment of the loan to the sugar factory.
6. Only such sugar factories as have a positive net worth at the time of making the application, shall be eligible to apply for the loan under this scheme.
7. The loan shall be disbursed directly to the sugar factory after it has executed an agreement on such terms and conditions as the Central Government may decide, including provisions for monitoring the loan by an agency so authorized by the Central Government.
8. The loan, in cash or kind, shall be passed on to the sugarcane growers in the reserved or command area of the sugar factory under a scheme formulated by it at a rate of interest not higher than the rate of interest chargeable on the Sugar Development Fund loan by the Central Government.
9. At least fifty percent of the loan shall be passed on to the sugarcane growers within forty-five days of disbursement of the loan and balance within a further period of forty-five days failing which the sugar factory shall pay a penal interest of six percent per annum on the balance amount for the period of delay beyond the said period.
10. Any amount remaining with the sugar factory on 31st March, 2010 shall be repaid to the Central Government with interest along with a penal interest of 6% per annum for the period beyond 31st March, 2010.
- 11 (1) The sugar factory shall give either a bank guarantee or a first charge on its assets on pari passu basis failing which second exclusive charge on its assets, as security for the loan, depending upon the fixed assets coverage ratio of the sugar factory existing on the date of last balance sheet.
(2) The second exclusive charge shall be permissible only if the fixed assets coverage ratio is 1.5 or more, first charge pari passu shall be acceptable from factories having fixed assets coverage ratio of or above 1.33 and if the fixed

assets coverage ratio is below 1.33, the sugar factory concerned shall give a bank guarantee.

(3) Subject to the fixed assets coverage ratio benchmark, a sugar factory, if it so desires, may be permitted to withdraw the bank guarantee furnished by it at the time of taking the loan, against submission of security in the form of a charge on its assets.

12. This Scheme is valid for disbursements from the Fund upto 31st December, 2009 and all applications for the loan shall be submitted on or before 30th November, 2009.

13. The Central Government shall appoint an agency to monitor proper utilisation of the loan by the sugar factory and adherence to the terms and conditions of the loan and any deviation or diversion from the conditions stipulated herein shall entail recall of the loan with penal interest and may result in debarment of the sugar factory from any further loans from the Sugar Development Fund.

14. The sugar factory shall submit utilisation certificate in Form 19-B of the General Financial Rules, 2005 within six months of disbursement.

15. Other conditions associated with Sugar Development Fund loans not specifically mentioned herein shall apply mutatis mutandis.

[F. No. 1-5/2009-SDF]

N. SANYAL, Jt. Secy.

AnnexureForm 'B'

(for application for short term loan for purchase of seed, fertilizers and pesticides for cane development – Rule 17-A)

1. Name, Plant code, short name and address of the applicant.
2. Actual crushing during sugar seasons 2006-07, 2007-08 and 2008-09 with number of days in each year (Enclose copy each of RT 8-C for the three years).
3. Cane area available to the sugar factory.
4. Items for which loan is applied for (Please give Physical targets, item-wise, quantity and cost of inputs and area covered) and total estimated expenditure.
5. Whether any overdues are outstanding on account of SDF/LSPEF.
6. Net worth of the sugar factory (Profit and Loss statement for the last year for which balance sheet has been finalised with accumulated losses, if any,).
7. FACR of the sugar factory (Balance Sheet to be enclosed).
8. Security proposed to be given for SDF loan (please enclose copy).
9. Amount of loan applied for.

Signature of Occupier/Borrower
with seal of the Sugar Factory